पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

अक्षय तृतीया की शाम आदर्श कुष्ठ आश्रम के लिए ऐतिहासिक और यादगार बनी

कुष्ठ पीड़ितों की भजन मण्डली ने राजभवन में भजन प्रस्तुत किये

लखनऊः 21 अप्रैल, 2015

अक्षय तृतीया की शाम आदर्श कुष्ठ आश्रम के लिए ऐतिहासिक और यादगार बनी। राज्यपाल, श्री राम नाईक के निमंत्रण पर आदर्श कुष्ठ आश्रम, आलमबाग की भजन मण्डली ने भजन प्रस्तुत किये, जिसमें राजभवन उनके गायन का गवाह बना। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री श्री नारायण दत्त तिवारी, प्रदेश के स्वास्थ मंत्री, श्री अहमद हसन, सूचना आयुक्त, श्री हाफिज उस्मान, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 एस0बी0 निम्से, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 रविकांत, भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय की कुलपति, डा॰0 श्रुति सडोलीकर काटकर, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भजन संध्या में श्री प्रेम सिंह, कुष्ठ आश्रम के प्रधान, जोकि कोलकाता, पश्चिम बंगाल के मूल निवासी हैं, ने 'ढूंढत-ढूंढत मैं हारे, प्रभु दर्शन नहीं कर पाये' तथा 'भगवान तेरे दर पर एक शिकवा लेकर आये हैं' गाकर श्रोताओं के मन में जगह बनायी। उडीसा के रहने वाले ढोलक वादक, श्री मधु मास्टर ने 'ओम नमः शिवाय, हर-हर बोले नमः शिवाय' प्रस्तुत किया। श्री चन्द्रशेखर मिश्रा, गोरखपुर ने भजन 'राम कहा जाये, घनश्याम कहा जाये, नाम है अनमोल, सुबह-शाम लिया जाय' प्रस्तुत किया। गायक एवं ढोलक मास्टर, श्री सुनील यादव, पटना ने 'हरि-हरि तु बोले रे मनवा, श्याम-श्याम तू बोल बेड़ा पार' तथा श्री सोनीलाल ऋषिदेव, कटिहार ने 'हरि गुन गा ले रे मन के दिवाना' एवं मंजीरा वादक, श्री सुभाष सेवइया, पश्चिम बंगाल ने 'गंगा में खोजू, जमुना में खोजू' आदि भजन प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भजन में साथ देने वाले मंजीरा वादक, श्री श्रीनिवास सरकार, पश्चिम बंगाल एवं श्री कालू कुम्भकार ने झूमका वादन किया। भजन मंडली ने अपने विशिष्ट अंदाज में भजन प्रस्तुत करके श्रोताओं का मन जीत लिया।

इससे पूर्व राज्यपाल ने कहा कि देश में अलग-अलग स्थानों पर कुष्ठ पीड़ितों की लगभग 700 बस्तियाँ हैं। कुष्ठ पीड़ितों की बस्ती को आम तौर से शहर के बाहर बसाया जाता है क्योंकि समाज में ऐसी मान्यता थी कि कुष्ठ रोग संक्रामक रोग होता है। ऐसी स्थिति में परिवार के लोग भी उनसे दूरी बना लेते हैं। भरण-पोषण के लिए भिक्षा ही एकमात्र सहारा होता है। विज्ञान की प्रगति ने यह बता दिया कि कुष्ठ रोग संक्रामक नहीं है और इसका इलाज भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी सामाजिक भ्रांति को दूर करके कुष्ठ पीड़ितों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना चाहिए।

श्री नाईक ने बताया कि उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का पद ग्रहण करने से पहले वे कुष्ठ पीड़ितों के लिए काम करने वाली संस्था, इन्टरनेशनल लेप्रोसी यूनियन, पुणे के अध्यक्ष थे। वे चालीस वर्षों से अधिक समय तक कुष्ठ पीड़ितों की समस्याओं के समाधान हेतु कार्यरत रहे हैं। वर्ष 2007 में कुष्ठ पीड़ितों की समस्याओं के संबंध में उनके द्वारा संसद में एक याचिका प्रस्तुत की गयी थी जिस पर कोई निर्णय नहीं हो सका था। कुछ दिन पूर्व संसदीय याचिका समिति ने प्रतिव्यक्ति 2,000 रूपयें प्रतिमाह देने की संस्तुति की है। उनके सुझाव पर प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव ने कुष्ठ पीड़ितों को निर्वहन भत्ता रूपये 2,500 देने का निर्णय किया है।

राज भवन

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर
आदर्श कुष्ठ आश्रम की भजन मण्डली द्वारा प्रस्तुत
भजन संध्या
राजभवन, उत्तर प्रदेश
21 अप्रैल, 2015

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर
आदर्श कुष्ठ आश्रम की भजन मण्डली द्वारा प्रस्तुत
भजन संध्या
राजभवन, उत्तर प्रदेश
21 अप्रैल, 2015

आदर्श कुष्ठ